

(ब) डिजायन तैयार करने से संयंत्र की स्थापना तक के सभी क्षेत्रों में तथा ईंधन के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में कितना समय लग जाने की संभावना है ; और

(ग) यदि आत्मनिर्भरता के लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं तो प्रति-वर्ष केवल देश के संसाधनों में चलने वाले कितने बिजलीघर स्थापित किये जायेंगे तथा प्रत्येक की क्या क्षमता होगी ?

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) चौथी पंचवर्षीय योजना के अन्त तक प्रस्तावित न्यूक्लीय बिजलीघरों में 580,000 किलोवाट बिजली उपलब्ध होगी। 3,80,000 किलोवाट की क्षमता वाले तारापुर परमाणु बिजलीघर में उत्पादित बिजली की अनुमानित लागत 4 50 पैसे प्रति किलोवाट घंटा तथा राजस्थान परमाणु बिजलीघर में उत्पादित बिजली की कीमत 5 08 पैसे प्रति किलोवाट घंटा होगी।

(ख) तथा (ग). तारापुर परमाणु विद्युत प्रायोजना पर होने वाले खर्च में 60 प्रतिशत विदेशी मुद्रा थी। मद्रास परमाणु विद्युत प्रायोजना में इसे घटा कर केवल 20 प्रतिशत कर दिया गया है। अधिक आत्मनिर्भरता औद्योगिक क्षेत्र के विकास पर निर्भर करती है। आशा है कि मद्रास परमाणु बिजली घर के बाद जो बिजलीघर बनेंगे, उनसे आत्मनिर्भरता में की गई प्रगति का पता चलेगा।

घायुध कारखाना, मेरठ

2898. श्री महाराज सिंह भारती : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश मेरठ स्थित घायुध कारखाने के क्षेत्र में

हजारों एकड़ भूमि बेकार पड़ी है और इस भूमि का एक बड़ा भाग खेती के लिए किसानों को दिया जाता है ;

(ख) क्या इस कारखाने के विस्तार तथा इस भूमि में कुछ नये घायुध कारखाने स्थापित करने की किसी योजना पर विचार किया जा रहा है और यदि हां, तो उसका व्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इस घायुध कारखाने में अर्सेनिक उपयोग की भी कोई वस्तुएं बनाई जाती हैं ; और

(घ) यदि हां, तो उनका व्यौरा क्या है तथा घायुध कारखाने में जो उत्पादन होता है वह कितने मूल्य का होता है तथा उसमें अर्सेनिक वस्तुयें कितने प्रतिशत मूल्य की होती हैं ?

प्रतिरक्षा जंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) मेरठ में कोई घायुध कारखाना नहीं है। शायद मुरादनगर के घायुध कारखाने से अभिप्राय हो, कारखाने के इलाके में कुल 641 एकड़ भूमि में से 133 एकड़ भूमि को खेती के लिए पट्टे पर दिया गया है ?

(ख) जी, नहीं।

(ग) इस समय ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है क्योंकि कारखाने के पास कोई फालतू उत्पादन क्षमता नहीं है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

फारमोसा के साथ सम्बन्ध

2899. श्री महाराज सिंह भारती : क्या बंबेईक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने हमारे हितों की रक्षा करने की दृष्टि से फारमोसा (ताइवान) के साथ संबंध बनाये रखने तथा उनके साथ